स्व-गणना में मध्यप्रदेश ने रचा इतिहास

डिजिटल जनगणना में मध्यप्रदेश ने अब तक देश के शीर्ष राज्यों में बनाई जगह

साक्षी केसरवानी

भोपाल, 01 मई. देश की पहली डिजिटल जनगणना के महाअभियान में मध्यप्रदेश ने अपनी तकनीक और जागरूकता का लोहा मनवाया है.

1 मई से शुरू हुये जमीनी सर्वेक्षण से पहले ही प्रदेश ने 'स्व-गणना' के मामले में 7 लाख 46 हजार 157 परिवारों ने जानकारी दर्ज कर एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है. बता दें अब तक देश के कुल 18 राज्यों में स्वगणना का कार्य पूरा किया जा चुका है. जिसमें मप्र के पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ में डिजिटल रूप से जानकारी दर्ज करने वाले

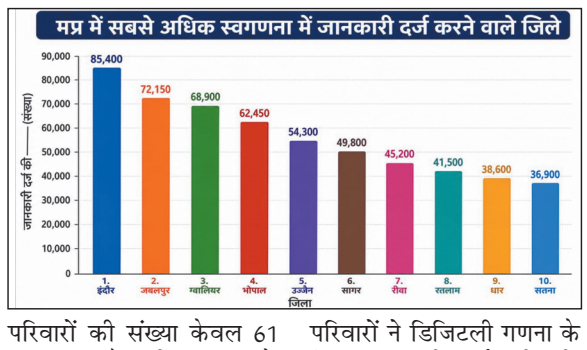

परिवारों की संख्या केवल 61 हजार 500 है. वहीं स्वगणना के तहत शुरू किए गए प्रथम चरण में देश के कुल 8 राज्यों से 12 लाख परिवारों ने डिजिटली गणना के लिए जानकारी दर्ज की थी. जिसमें अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, गोवा, कर्नाटक, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और सिक्किम के साथ नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली छावनी बोर्ड क्षेत्र शामिल थे.

स्वगणना में इंदौर सबसे आगे राजधानी चौथे स्थान पर

मध्य प्रदेश के भीतर स्व-गणना की बात करें तो इंदौर जिला 85 हजार 400 परिवारों द्वारा दर्ज जानकारी के साथ सबसे आगे है. जबकि जबलपुर दूसरे ग्वालियर तीसरे और भोपाल 62 हजार 450 परिवारों द्वारा दर्ज जानकारी से चौथे स्थान पर है. जबकि सबसे कम संख्या में निवाडी जिले में 658 परिवारों ने जानकारी दर्ज की है. पहले चरण में मकानों की सूचीकरण और परिवारों की बुनियादी जानकारी जुटाई जायेंगी. प्रगणक घर-घर जाकर रहन-सहन से संबंधित 33 प्रश्न पूछेंगे. दूसरे चरण में जातिगत आंकड़ों सहित विस्तृत सामाजिक और आर्थिक डेटा संकलित किया जाएगा. विशेषज्ञों के अनुसार इस ऐतिहासिक अभियान का चेहरा 'प्रगति' और 'विकास' नाम के महिला और पुरुष का मैसकॉट है. जो दर्शाता है कि जनगणना में जुटाये गये सांख्यिकी आंकड़े का उपयोग देश की प्रगति और विकास कार्यों के लिए किया जाएगा. जिसमें समाज की एकजुटता और लैंगिक समानता के साथ विकास की योजनाओं में हर वर्ग की सटीक भागीदारी को जगह देना है.

सीएमएमएस पोर्टल से होगी निगरानी

फील्ड में डेटा की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए हर 6 प्रगणकों पर एक पर्यवेक्षक की तैनाती की गई है. वहीं पूरे सिस्टम को डिजिटल रूप से नियंत्रित करने के लिए सीएमएमएस (जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली) पोर्टल का उपयोग किया जा रहा है. जिससे डेटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर सुरक्षित होगा. जो कि पूरी तरह से गोपनीय है.

कार्तिकया गोयल, मप्र जनगणना निदेशक

आजादी के बाद 8वीं, इतिहास की 16वीं गणना

भारत में जनगणना का सिलसिला 1872 में शुरू हुआ था और 1881 से यह नियमित अंतराल पर होती रही है. वहीं आजादी के बाद यह 8 वीं बार है. जब देश की आबादी की गिनती की जा रही है. साल 2021 में होने वाली यह प्रक्रिया कोरोना महामारी के कारण स्थगित हो गई थी, जो अब 2026-27 में संपन्न हो रही है. यह पहली बार है जब जनगणना में पारंपरिक कागजी फॉर्म के बजाय मोबाइल ऐप और पोर्टल का सहारा लिया जा रहा है.

जनगणना करने 1 लाख 70 हजार कर्मी जुटे

प्रमुख जनगणना अधिकारी	-	72
जिला स्तरीय अधिकारी	-	440
चार्ज अधिकारी	-	989
मास्टर ट्रेनर और फील्ड ट्रेनर	-	3028
प्रगणक	-	141000
पर्यवेक्षक	-	24300

डॉ मोहन यादव और दिग्विजय सिंह के बीच हुई मुलाकात

भोपाल. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भेंट कर गेहूँ उपार्जन के संबंध में चर्चा की. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उन्हें बताया कि गेहूँ उपार्जन के लिए अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं, स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है. प्रदेश के किसानों से गेहूँ उपार्जन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है. किसानों की सुविधा के लिए सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं. मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि वे स्वयं भी उपार्जन प्रक्रिया पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं.

मुरैना में दीवार ढहने से 4 बच्चों सहित नौ घायल

मुरैना. मध्यप्रदेश के मुरैना जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में एक निर्माणाधीन मकान की दीवार ढहने से चार बच्चों सहित नौ लोग घायल हो गए. पुलिस सूत्रों के अनुसार यह हादसा डोम पूरा क्षेत्र के ग्राम लोरी पूरा में महेंद्र सिंह के निर्माणाधीन मकान में गुरुवार रात तेज आंधी और बारिश के दौरान हुआ.

मंजिल पर बनी दीवार अचानक भरभराकर गिर गई, जिससे वहां मौजूद लोग मलवे में दब गए. घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल मुरैना में भर्ती कराया गया है. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

मध्यप्रदेश में आंधी और बारिश का अलर्ट

मौसम ने एक बार फिर बदल लिया मिजाज

भोपाल, 01 मई. मध्यप्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है. प्रदेश के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ बारिश और ओलावृष्टि की स्थिति बनी हुई है. मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान शहडोल संभाग के जिलों में अधिकांश स्थानों पर वर्षा दर्ज की गई.

इसके अलावा ग्वालियर, चंबल, रीवा और सागर संभागों में भी अनेक स्थानों पर बादल बरसे हैं. मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि वर्तमान में एक

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है जिसके प्रभाव से चक्रवातीय गतिविधियां बनी हुई हैं. वहीं अगर तापमान की बात करें तो तापमान की बात करें तो प्रदेश में सबसे अधिक तापमान खरगोन में 42.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया. वहीं खंडवा में 42.5 और राजगढ़ में 42.0 डिग्री तापमान रहा. दूसरी ओर पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा जो पूरे प्रदेश में सबसे कम था. अमरकंटक और शहडोल जैसे इलाकों में भी रात के तापमान में गिरावट देखी गई है. रीवा संभाग के जिलों में तापमान सामान्य से काफी कम बना हुआ है. मौसम वैज्ञानिकों ने अगले 24 घंटों के लिए कड़ा अलर्ट जारी किया है.

भोपाल में 24 घंटे में 4.4 डिग्री गिरा पारा

मौसम विभाग ने भोपाल के कुछ हिस्सों में हल्की गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई है. वहीं पिछले 24 घंटों में भोपाल के तापमान में 3.3 से 4.4 डिग्री सेल्सियस तक की भारी गिरावट दर्ज की गई है. जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है. वहीं शुक्रवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री रहा. मौसम विभाग के अनुसार यह बदलाव अरब सागर से आ रही नमी और चक्रवातीय परिसंचरण के कारण हो रहा है.

पांच जिला अध्यक्षों की हुई नियुक्तियां

भाजपा अजा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष ने सौंपी जिम्मेदारी

10 जिला अध्यक्ष भाजपा किसान मोर्चा में भी बनाए गए

भोपाल, 01 मई. भारतीय जनता पार्टी के मध्यप्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से प्रदेश भाजपा के अनुसूचित जाति मोर्चा ने पांच जिलों में अध्यक्षों की नियुक्तियां की हैं.

अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने सीधी जिले में हरिकेत साकेत, जबलपुर ग्रामीण में संजीव अहिरवार, भोपाल ग्रामीण में जगदीश मेहरा, सागर ग्रामीण

जगदीश मेहरा बने भोपाल ग्रामीण अध्यक्ष

में गोपाल अहिरवार और कटनी में उमेंद्र अहिरवार को जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है. श्री खंडेलवाल की सहमति से संजीत पांडे को मंडला, नरेश मिश्रा को अनूपपुर, रामकुमार साहू को सीधी, टीकेंद्र प्रताप सिंह को देवास, विपिन खेमरिया को शिवपुरी, विलास खिरडकर को पांढुर्णा, नारायण पाटीदार खरगोन, मांगीलाल चौहान अली राजपुर, मोहन आर्य धार ग्रामीण और योगेंद्र सिंह कुशवाह को मंदसौर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है.

भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जयपाल सिंह चावड़ा ने मोर्चा में दस जिलों के अध्यक्ष पदस्थ किए हैं.

शाह ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

भोपाल. मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री विजय शाह ने शुक्रवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया.

इस दौरान पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. प्रभुराम चौधरी उपस्थित रहे. मध्यप्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री कुंवर विजय शाह ने प्रदेश भर से आए पार्टी कार्यकर्ताओं एवं आमजनों से संवाद कर उनकी जनसमस्याओं का त्वरित समाधान किया. जिन समस्याओं का तत्काल समाधान नहीं किया जा सका, उन्हें संबंधित विभागों को निराकरण के लिए भेजा गया है. उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उनकी कठिनाइयों को समझा और उन्हें जल्द से जल्द समाधान दिलाने का आश्वासन दिया.

मज़दूर दिवस पर जुलूस, लगाए नारें

फासीवाद के प्रतिरोध का आव्हान

भोपाल, 01 मई. सारी दुनिया के मेहनतकशों के त्यौहार मज़दूर दिवस पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ,एटक और सम्बद्ध जन संगठनों के सदस्यों ने शुक्रवार को जुलूस निकालकर अपनी एकजुटता को अभिव्यक्त किया.

श्रमिक एकता संबंधी नारों के साथ निकले जुलूस में नृत्य और ढोल के साथ माहौल को उल्लासपूर्ण बनाया गया.यह जुलूस स्थानीय जनकपुरी जुमेराती से शुरू होकर आज़ाद मार्केट, मंगलवारा चौराहा, इतवारा क्षेत्र, बुधवारा चौराहे से होकर वापस उसी मार्ग से जनकपुरी पहुंचा . इतवारा क्षेत्र में जुलूस का स्वागत किया गया. शरबत पानी की व्यवस्था की गई,

जुलूस की समाप्ति के बाद जनकपुरी क्षेत्र में भोज आयोजित किया गया. इस अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने सारी दुनिया के मेहनतकशों को मजदूर दिवस पर क्रान्तिकारी अभिवादन करते हुए मेहनतकशों पर गहराते संकट के लिए केन्द्र सरकार की फासीवादी प्रवृत्तियों को जिम्मेदार ठहराया.कॉमरेड शैलेन्द्र शैली ने कहा कि फासीवाद का जन विरोधी गठजोड़ श्रमिकों को घातक है.

5 से एलटीटी अयोध्या कैंट अमृत भारत ट्रेन शरू

भोपाल, 01 मई. भारतीय रेल ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को मजबूत करने और आम जनता को किफायती यात्रा प्रदान करने के उद्देश्य से नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की नियमित सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है. यह ट्रेन मध्य प्रदेश के रास्ते उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र को आपस में जोड़ेगी.

बता दें पश्चिम मध्य रेल से गुजरने वाली लोकमान्य तिलक टर्मिनस और अयोध्या कैंट के मध्य चलने वाली इस साप्ताहिक अमृत भारत एक्सप्रेस का नियमित संचालन मई माह के पहले सप्ताह से प्रारंभ हो रहा है. रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार लोकमान्य तिलक टर्मिनस से यह ट्रेन 5 मई से

प्रत्येक मंगलवार को सुबह 7 बजकर 55 बजे रवाना होगी. जो कि उसी दिन रात 8 बजे इटारसी और रात 11 बजकर 30 बजे जबलपुर पहुंचेगी. इसके बाद सतना होते हुए अगले दिन सुबह 10 बजकर 15 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी. वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 22112 अयोध्या कैंट से 6 मई 2026 से प्रत्येक बुधवार को दोपहर 1 बजकर 50 बजे रवाना होगी. जो कि रात 8 बजकर 45 बजे सतना और रात 11 बजकर 55 बजे जबलपुर होते हुए अगले दिन गुरुवार को दोपहर 3 बजकर 45 बजे लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी. ट्रेन का ठहराव ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज, मां बेल्हा देवी धाम, प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर स्टेशनों पर दिया गया है.

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की समीक्षा बैठक

भोपाल. रेलवे भर्ती बोर्ड भोपाल के कार्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक शुक्रवार को संपन्न हुई. इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता रेलवे भर्ती बोर्ड भोपाल की अध्यक्ष रश्मि दिवाकर ने की. बता दें बैठक के दौरान मार्च 2026 तक राजभाषा हिंदी के प्रयोग और उसकी प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई. बैठक के शुभारंभ में सहायक सचिव अनिल कुमार सिन्हा ने सभी सदस्यों को बैठक की रूपरेखा से अवगत कराया.

बरगी क्रूज हादसा : लापरवाही का नतीजा

विशेष संवाददाता

जबलपुर, 01 मई. विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने शुक्रवार को बरगी बांध में हुए दर्दनाक क्रूज हादसे के स्थल का दौरा कर गहरा शोक व्यक्त किया. उन्होंने मौके पर चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की और प्रशासनिक अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली.

निरीक्षण के दौरान सिंघार ने राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश भी दिए. उन्होंने इस हादसे को "गंभीर प्रशासनिक लापरवाही" का परिणाम बताते हुए सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया. हर बड़ी दुर्घटना के बाद केवल औपचारिक जांच के आदेश देकर

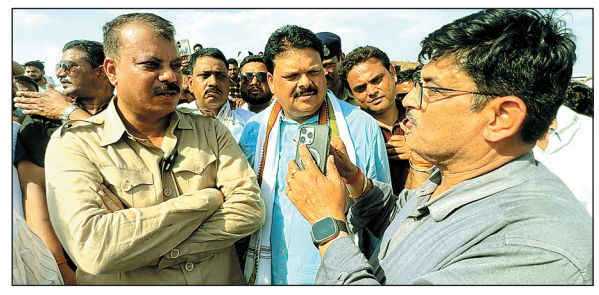

तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग की

सिंघार ने सवाल उठाया कि प्राकृतिक आपदाएं अलग बात हैं, लेकिन प्रशासनिक चूक से होने वाली घटनाओं में संबंधित विभागों और अधिकारियों की जवाबदेही कब तय होगी. उन्होंने सुरक्षा व्यवस्थाओं में गंभीर खामियों की ओर इशारा करते हुए कहा कि न तो तूफान की निगरानी के पर्याप्त उपकरण थे, न ही खराब मौसम के बावजूद क्रूज संचालन पर रोक लगाई गई और पर्यटकों के लिए लाइफ जैकेट जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं थीं. उन्होंने दोषियों के खिलाफ तत्काल और सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि यदि जिम्मेदारी तय नहीं की गई तो ऐसी घटनाएं दोहराई जाती रहेंगी.

भिण्ड आंधी-बारिश से ब्लैकआउट

भिण्ड. जिले में तेज आंधी और बारिश के कारण शहर के बड़े हिस्से में बिजली आपूर्ति ठप हो गई, जिससे हजारों उपभोक्ताओं को ब्लैकआउट की स्थिति का सामना करना पड़ा. अचानक बदले मौसम के बीच तेज हवाओं और बिजली गिरने के कारण कई स्थानों पर फॉल्ट आ गए. इटावा रोड स्थित 33 केवी लाइन में खराबी आने से मेला सब स्टेशन सहित अन्य 33/11 केवी स्टेशनों से जुड़े फीडर बंद हो गए, जिससे करीब 20 से 30 हजार उपभोक्ता प्रभावित हुए. लहार रोड, लश्कर रोड, शास्त्री कॉलोनी, ऑफिसर कॉलोनी, अटेर रोड, नवादा, सहित कई क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली बाधित रही.

चिंता | महंगाई और एलपीजी गैस में बढ़ोतरी पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार को घेरा

सरकार महंगाई पर नियंत्रण पाने में विफल : जीतू

विशेष संवाददाता

भोपाल, 01 मई. मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बढ़ती महंगाई और एलपीजी गैस की आसमान छूती कीमतों को लेकर केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोला है.

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण करने में पूरी तरह विफल रही है और इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ रहा है. पटवारी ने कहा कि सरकार चुनाव के समय महंगाई कम करने के वादे के साथ सत्ता में आई थी. उन्होंने "बहुत हुई महंगाई

की मार, अबकी बार मोदी सरकार" नारे का जिक्र करते हुए कहा कि हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है और आज महंगाई चिंताजनक स्तर पर पहुंच चुकी है. व्यावसायिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में तेजी से हुई बढ़ोतरी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि फरवरी से अब तक कीमतों में करीब 1,380 रुपये की वृद्धि हुई है, जो महज तीन महीनों में लगभग 81 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाती है. उनके अनुसार यह स्थिति केंद्र सरकार की आर्थिक प्रबंधन में विफलता को उजागर करती है.

उन्होंने बताया कि जो गैस सिलेंडर पहले 400 से 800 रुपये के बीच मिलते थे, वे अब आम आदमी की पहुंच से बाहर हो गए हैं. इसका सबसे अधिक असर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर पड़ा है, जिससे उनकी घरेलू बजट व्यवस्था बिगड़ गई है. उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रभाव पर भी सवाल उठाए.

पटवारी ने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडर की कीमत 3,071 रुपये तक पहुंचने से होटल, ढाबों और छोटे व्यापारियों की लागत बढ़ गई है, जिसका बोझ अंततः आम उपभोक्ताओं को महंगे खाने-पीने के रूप में उठाना पड़ रहा है.

उन्होंने बढ़ती बेरोजगारी और आर्थिक संकट पर भी चिंता जताई और कहा कि केंद्र की नीतियों के कारण हालात और बिगड़े हैं. पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनविरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी और आम जनता को राहत दिलाने के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाती रहेगी.

ज्वेलरी चोरी के मामलों का खुलासा

67 लाख से अधिक की संपत्ति बरामद

विशेष संवाददाता

भोपाल, 01 मई. मध्य प्रदेश पुलिस ने प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए मंडला और इंदौर में ज्वेलरी चोरी के मामलों का खुलासा किया है. दोनों मामलों में कुल मिलाकर 67 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की गई है.

मंडला के पिंडरई बाजार में सराफा व्यापारी पवन कुमार सोनी की शिकायत पर पुलिस ने विशेष टीम गठित की. व्यापारी ने करीब 50 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण, नगदी और दस्तावेज

चोरी होने की सूचना दी थी. सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्य और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें दो विधि विरुद्ध बालक भी शामिल हैं. आरोपियों के कब्जे से 52 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति और वारदात में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया.

इसी तरह इंदौर के सराफा क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चांदी चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 15 लाख रुपये से अधिक के आभूषण, एक स्कूटी और मोबाइल फोन जब्त किए. पुलिस ने नागरिकों से सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत देने की अपील की है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशीष श्रोती द्वारा 3, इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स, रामगोपाल माहेश्वरी मार्ग, महाराणा प्रताप नगर, जोन-1, भोपाल से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., इंदिरा प्रेस कॉम्प्लेक्स से मुद्रित. संपादक दिलीप झा*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन-4939198, ईमेल-bhopalnav@gmail.com RNI Reg. No. 35046/56 डाक पंजीयन क्रमांक M.P/B.P.L/711/2012-14